प्रखर सिद्धांतों पर आधारित पुणे और मुंबई से प्रकाशित एकमात्र हिंदी दैनिक

सिद्धांत समाचार

वर्ष १८ — अंक ७८ — गुरूवार ३ अगस्त २०२३ | पुणे | RNI NO.MAH HIN/2005/15277 | २ रूपए

siddhantsamachar.com | @SiddhantSamachar | facebook.com/siddhantsamachar | siddhantsamachar@gmail.com

CAYM EDUCATION TRUST'S

SIDDHANT GROUP OF INSTITUTIONS

APPROVED BY AICTE, PCI - NEW DELHI, Affiliated to Savitribai Phule Pune University, MSBTE, RECOGNISED BY GOVT.OF MAHARASHTRA

"Empowering Students to Become Future Leaders....."

Admissions Open: 2023-2024

Courses offered by Siddhant Group of Institution.

COURSES		INTAKE	DTE CODE
Siddhant College Of Engineering*	Diploma (AI&ML, Electrical, Mechanical, E&TC, Computer, Civil)	360	6149
	B. E. (Mechanical, Computer, I.T., E&TC, Civil)	360	
	M.E. (E&TC (VLSI), I T, Computer, Design Engineering)	84	
Siddhant College of Pharmacy*	B. Pharmacy.	100	PH - 6258
	M. Pharmacy.	24	MPH -6258
	Diploma Pharmacy.	60	D - 6515
	Diploma Pharmacy [Women].	60	D - 6922
Siddhant College Of Management*	M. B. A. (Master of Business Administration)	180	6134
Siddhant College Of Computer Application	M. C. A. (Master of Computer Application)	120	6240
Siddhant International School	Nursery to XII (CBSE Affiliated)	-	-
Siddhant College of Management Studies*	B. B. A. – (Bachelor of Business Administrator)	80	----
	B. B. A. [C. A.] – (Bachelor of Computer Application)	80	----
	B.A. (Bachelor of Arts)	80	
	B.Sc. (Bachelor of Science)	80	----
	B. Com (Bachelor of Commerce)	80	----
	M. Com (Master of Commerce)	60	----
	Post Graduate Diploma in Banking & Finance	60	----
	Post Graduate Diploma in Taxation	60	

* NAAC Accredited Institutes. | 100% Placement Assistance | www.siddhantinstitutes.in

For Admission Assistance please Contact following numbers:

Pharmacy :	M.B.A.:	M.C .A. :	Management Studies:	Engineering. :
Mrs. Shanan Yadav 84688 55688	Dr. Pratap Pawar 9423270598	Prof. Nitin Shrirao 9850005059	Dr. Yogesh Patil 9689493733	Prof. Bhagwat Kedar 9923906993

- Boys & Girls Hostel Facility Available in Campus
- Transport Facility Available from various locations of Pune & Pimpri -Chinchwad & Khed

Address: Chakan – Talegaon Road., Near Chakan Auto Hub, Sudumbare, Pune, 412109

पीएनबी अपने ग्राहकों को 31 अगस्त 2023 तक केवाईसी अपडेट करने के लिए प्रोत्साहित करता है

आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुरूप, सार्वजनिक क्षेत्र का देश का अग्रणी बैंक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी), अपने ग्राहकों को 31 अगस्त, 2023 से पहले केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) जानकारी अपडेट करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। बैंक ने उन ग्राहकों जिनके खातों में केवाईसी अद्यतन होना बाकी है,के पंजीकृत पते पर दो नोटिस और पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस सूचना भेजी है। इसके अलावा, इसे बैंक के सोशल मीडिया हैंडल पर प्रकाशित किया गया है और 28.07.2023 को समाचार पत्र में प्रकाशित किया गया है। अखबार की अधिसूचना में कहा गया है कि "आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार, सभी ग्राहकों के लिए केवाईसी अद्यतनीकरण (अपडेशन) अनिवार्य है। यदि आपका खाता 31.03.2023 तक केवाईसी अद्यतन के लिए देय हो गया है तो आपसे अनुरोध है कि आप अपना केवाईसी 31.08.2023 से पहले पीएनबी वनध्आईबीएसध्पंजीकृत ई–मेलध्डाक के माध्यम से या किसी भी शाखा में व्यक्तिगत रूप से जाकर अद्यतन करवा लें। अद्यतन न करने से आपके खाते के परिचालन पर रोक लग सकती है"। केवाईसी अनुपालन कार्रवाई की प्रक्रिया के अंतर्गत, पीएनबी के ग्राहकों से अनुरोध किया जाता है कि वे अपने बैंक खाते के सुचारू संचालन के लिए अपनी अद्यतन जानकारी जैसे पहचान प्रमाण, पता प्रमाण, नवीनतम फोटो, पैन, आय प्रमाण, मोबाइल नंबर (यदि उपलब्ध नहीं है) या कोई अन्य केवाईसी जानकारी पीएनबी वनध्आईबीएसध्पंजीकृत ई–मेलध्डाक के माध्यम से या व्यक्तिगत रूप से किसी भी पीएनबी शाखा में जाकर अद्यतन (अपडेट) करवाएं।

फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने सेबी के यहाँ डीआरएचपी दाखिल किया

फेडरल बैंक लिमिटेड द्वारा प्रवर्तित, फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (एफएफएसएल या कंपनी) ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के यहाँ अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। एफएफएसएल भारत में पांच निजी बैंक प्रवर्तित एनबीएफसी में से एक है। यह एमएसएमई और उभरते स्व–रोजगारी व्यक्ति (ईएसईआई) क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने पर केंद्रित है। कंपनी इक्विटी शेयरों (प्रत्येक 10 रुपये अंकित मूल्य) की पेशकश के माध्यम से ६ान जुटाने की योजना बना रही है, जिसमें कुल मिलाकर 7,500 मिलियन रुपये तक का फ्रेश इश्यू (फ्रेश इश्यू) और प्रमोटर शेयरधारक और अन्य शेयरध्ारक द्वारा 70,323,408 इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव (ऑफर फॉर सेल) शामिल है। 70,323,408 इक्विटी शेयरों तक की बिक्री की पेशकश में फेडरल बैंक लिमिटेड (प्रवर्तक शेयरधारक) के 16,497,973 इक्विटी शेयर और ट्रू नॉर्थ फंड टप् एलएलपी (अन्य शेयरधारक) के 53,825,435 इक्विटी शेयर शामिल हैं। एफएफएसएल ने व्यापार और परिसंपत्तियों की वृद्धि से उत्पन्न होने वाली अपनी भविष्य की पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए टियर – ए पूंजी आधार को बढ़ाने के लिए नए इश्यू से शुद्ध आय का उपयोग करने का प्रस्ताव रखा है। फ्रेश इश्यू से प्राप्त आंशिक आय का उपयोग ऑफर व्यय (ऑब्जेक्ट्स ऑफ द ऑफर) को पूरा करने के लिए किया जाएगा। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड, बीएनपी पारिबा, इक्विरस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड और जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

सिद्धांत समाचार
गुरूवार ३ अगस्त २०२३

शिक्षा वही, जो संस्कारवान बनाए

राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनआइए ने हाल में पुणे के डा. अदनान अली को गिरफ्तार किया है। एमबीबीएस–एमडी अदनान 16 वर्षों से चिकित्सा क्षेत्र में सक्रिय था। उसे अंग्रेजी, हिंदी, मराठी और जर्मन भाषाओं का ज्ञान है। इतना उच्च शिक्षित होने के बावजूद वह आतंकी गतिविधियों में लिप्त था। वह खूंखार आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट में नौजवानों की भर्ती कराने की कोशिश कर रहा था। सामान्य धारणा यह है कि उच्च शिक्षित लोग संस्कारवान और अपराध ा से दूर रहते हैं। मानवता और राष्ट्र के प्रति संवेदनशील होते हैं, लेकिन वस्तुस्थिति इससे भिन्न है। ऐसे मामले दर्शाते हैं कि शिक्षित होना संस्कारवान होने की गारंटी नहीं। अलकायदा सरगना ओसामा बिना लादेन से लेकर अल जवाहिरी और जैश–ए–मोहम्मद से जुड़ा अफजल गुरु भी उच्च शिक्षा प्राप्त था। खालिस्तान के कुछ पक्षधर भी उच्च शिक्षा प्राप्त हैं। भारत की प्रशासनिक सेवाओं में कार्यरत अधिकारी भी उच्च शिक्षित होते हैं, लेकिन कई लोक सेवक गंभीर भ्रष्टाचार में लिप्त पाए गए हैं। राष्ट्रजीवन के अन्य क्षेत्रों में भी उच्च शिक्षित लोगों की ऐसी स्थिति देखने को मिलती है। आधुनिक शिक्षा प्रामाणिक मनुष्य नहीं तैयार करती। जबकि मनुष्य को संस्कृति, राष्ट्र और मनुष्यता के प्रति निष्ठावान संस्कारों की आवश्यकता होती है। आदर्श नागरिक बनाने के लिए मनुष्य का प्रबोधन आवश्यक है। यह शिक्षा के माध्यम से होना चाहिए, किंतु स्थिति निराशाजनक है। वर्तमान शिक्षा आजीविका प्रबंधन और धन संपन्नता अर्जित करने का उपकरण मात्र बनी हुई है। प्रसिद्ध विचारक जे. कृष्णमूर्ति ने कहा है, 'शिक्षा का मतलब कुछ परीक्षाएं पास कर लेना ही नहीं होता, बल्कि सभी समस्याओं पर विचार करने के योग्य बनना होता है। शिक्षा का तात्पर्य यही है कि आप स्वतंत्रतापूर्वक बेरोकटोक विकसित हो सकें।' शिक्षा को संस्कृति के साथ जोड़ना जरूरी है। वस्तुतः, संस्कृति कुछ और नहीं, बल्कि उच्चतर जीवन मूल्यों के संवर्धन का ही नाम है। भारत के संविधान में इसे मूल कर्तव्यों के अंतर्गत 'सामासिक संस्कृति' कहा गया है। सर्वोच्च न्यायालय ने 'सामासिक संस्कृति' के निर्वचन में कहा है, 'इस सामासिक संस्कृति का आधार संस्कृत भाषा और साहित्य है, जो इस महान देश के भिन्न–भिन्न जनों को एक रखने वाला सूत्र है। इस देश के लोगों में अनेक भिन्नताएं हैं। वे गर्व करते हैं कि वे एक सामान्य विरासत के सहभागी हैं। वह विरासत संस्कृत की विरासत है।' समकालीन शिक्षा में सांस्कृतिक प्रवाह नहीं है। नई शिक्षा नीति में यह कोशिश की गई है। पुरातन को अधुनातन बनाना होगा। अनुपयोगी कालबाह्य छोड़कर उपयोगी आधुनिकता गढ़ना शिक्षा का उद्देश्य होना चाहिए, लेकिन विदेशी सत्ता के दौरान भारत के अतीत को अपमानित करने और इतिहास परंपरा के विरूपण का काम हुआ। दर्शन विज्ञान आधारित हिंदू संस्कृति को सांप्रदायिक कहा गया। शिक्षा प्रामाणिक नागरिक नहीं बना पाई। ब्रिटिश राज में प्रामाणिक मनुष्य की रचना का काम बाधित हुआ। शिक्षा का उद्देश्य ब्रिटिश सत्ता के आज्ञाकारी अधि ाकारी–कर्मचारी तैयार करना हो गया। स्वतंत्र भारत में भी अंग्रेजी राज वाली शिक्षा प्रणाली चलती रही। ऐसी शिक्षा से राष्ट्र को खास लाभ नहीं हुआ। इस शिक्षा ने समाज के प्रत्येक शिक्षार्थी को प्रतिस्पर्धी बनाया। प्रतिस्पध र्ी समाज अपने स्वार्थ में सही गलत सब कुछ करने को तैयार रहते हैं। पढ़े–लिखे युवा भी आतंकी संगठनों का कच्चा माल बनते हैं। भ्रष्ट बनते हैं। अपराधी भी बनते हैं। गांधीजी ऐसी शिक्षा से चिंतित थे। गांध ीजी ने इस संदर्भ में लिखा, 'अब ऊंची शिक्षा को लें। मैंने भूगोल सीखा। खगोल सीखा। बीजगणित–रेखागणित का ज्ञान भी हासिल किया, भूगर्भ–विद्या को भी पा गया, लेकिन उससे मैंने अपने आसपास के लोगों का क्या भला किया? अगर यही सच्ची शिक्षा हो तो मैं कसम खाकर कहूंगा कि जो शास्त्र मैंने गिनाए हैं, उनका उपयोग मुझे नहीं करना पड़ा। ऐसी शिक्षा से हम मनुष्य नहीं बनते। उससे हम अपना कर्तव्य नहीं जान सकते।' भारत में प्राचीनकाल से ही शिक्षा का उद्देश्य मुक्त चिंतन आधारित संस्कार देना एवं लोकमंगल की भावना विकसित करना था और प्रामाणिक मनुष्य बनाना भी। विषयों का ज्ञान व्यक्ति के चित्त का रूपांतरण नहीं करता। छांदोग्य उपनिषद के अनुसार ऋषि नारद उस समय के प्रतिष्ठित विद्वान सनत कुमार के पास पहुंचे और कहा कि, 'मैं बहुत अशांत और उद्विग्न हूं। हमारा मार्गदर्शन करें।' सनत कुमार ने पूछा, 'तुमने क्या–क्या पढ़ा है?' नारद ने कहा, 'मैंने वेद पढ़े हैं, व्याकरण पढ़ा है, इतिहास पढ़ा है, निरुक्त पढ़ा है, भूगर्भ विद्या, खगोल विद्या भी पढ़ी है। विज्ञान पढ़ा है। समाज विज्ञान पढ़ा है।' ऐसी तमाम विद्याओं को पढ़कर भी नारद अशांत थे। सनत कुमार ने कहा, 'ये सारी विद्याएं नाम और संज्ञा हैं। वाणी इनसे बड़ी है। वाणी से बल बड़ा है। आशा उससे बड़ी है, लेकिन ये सब अल्प और अपूर्ण हैं। सांस्कृतिक संपूर्णता के ज्ञान से सुख मिलता है।' शिक्षित व्यक्ति को सृजनशील होना चाहिए और संवेदनशील भी, मगर आज की शिक्षा व्यक्ति को संवेदनशील और रचनात्मक नहीं बनाती। अस्तित्व के प्रति आस्तिक भी नहीं बनाती। भविष्य के प्रति आशा भी नहीं जगाती। आशा असल में अस्तित्व और भविष्य पर सकारात्मक विश्वास का नाम है। आशा रहित लोग अनुचित साधन से शीघ्र परिणाम चाहते हैं। उनका अंतःकरण गलत काम रोकने के निर्देश नहीं देता। शिक्षित अपराधि ायों की सफलता गलत काम की प्रेरणा देती है। भारतीय ज्ञान परंपरा में गलत कार्य को पाप और लोकमंगलकारी कार्यों को पुण्य कहते हैं। यहां पुण्य कर्म शुभ फल दाता हैं और पाप कर्म दंडनीय। अच्छी बात है कि आजादी के 75 वर्ष बाद केंद्र सरकार ने भारतीय ज्ञान परंपरा को महत्व दिया है। शिक्षकों से अपेक्षा की गई है कि वे अध्यापन में भारतीय ज्ञान से संबंधित उदाहरण दें। उच्च शिक्षा प्राप्त लोगों का आतंक जैसे जघन्य अपराधों से जुड़ना गंभीर चिंता का विषय है। अदनान सहित तमाम उच्च शिक्षा प्राप्त लोगों का आतंक में लिप्त होना विश्व चिंता का विषय है।

नौकरशाही को भी जवाबदेह बनाया जाए

प्राकृतिक आपदाओं पर किसी का वश नहीं, मानव के हाथ में इतना ही है कि वह इनसे कुछ बचाव की राह निकाल ले। हाल में घटी कुछ आपदाएं ऐसी रहीं, जिनसे होने वाले नुकसान को कमतर रखा जा सकता था। इसी तरह कुछ मानव जनित घटनाएं ऐसी रहीं, जिनसे पूरी तरह बचा जा सकता था। याद कीजिए हाल में मेरठ से दिल्ली को जोड़ने वाले एक्सप्रेसवे पर हुआ हादसा, जिसमें गलत दिशा से आ रही बस से सही दिशा में जा रही कार की टक्कर हुई और कार में सवार हंसता–खेलता परिवार खत्म हो गया। इस तरह के हादसे देश के किसी न किसी एक्सप्रेसवे या हाईवे अथवा आम रास्तों पर आए दिन होते ही रहते हैं। कुछ ही दिन पहले प्राकृतिक आपदा भी आई और उसने दिल्ली समेत देश के अनेक शहरों को त्रस्त कर दिया। इन घटनाओं में समानता इस लिहाज से है कि इनसे बचा जा सकता था या उनसे होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता था। हर हादसे पर पहला सवाल राजनीतिक तंत्र पर उठता है। हमने जिस तरह का नैरेटिव विकसित किया है, उसमें मोहल्ले की गड़बड़ी से लेकर राष्ट्रीय समस्या तक के लिए सिर्फ और सिर्फ राजनीतिक तंत्र को ही जिम्मेदार माना जाता है। सवालों के घेरे में वही ज्यादा रहता है, लेकिन क्या सिर्फ राजनीतिक तंत्र ही जिम्मेदार है? क्या व्यवस्था की सबसे अहम कड़ी नौकरशाही को छोड़ दिया जाना चाहिए? नौकरशाही पर सबसे वैज्ञानिक और स्वीकार्य अध्ययन जर्मन समाजशास्त्री मैक्स वेबर का माना जाता है। वेबर ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रशासनिक तंत्र को निरंतरता का प्रतीक बताया है। अपने अध्ययन में वेबर नौकरशाही की नकारात्मक भूमिका की ओर भी ध्यान दिलाते हैं। उनका मानना है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में नौकरशाही नियमों और उसकी प्रक्रिया को ही अपना लक्ष्य मान लेती है। दफ्तरी सोच की वजह से वह तंत्र में कल्पनाहीन विशेषज्ञों का समूह विकसित करने लगती है। वेबर के कथन के संदर्भ में हर घटना या हादसे का विश्लेषण करेंगे तो पाएंगे कि हमारी नौकरशाही की कल्पनाहीनता कहीं ज्यादा जिम्मेदार है। दिल्ली जैसे शहर अगर बारिश में डूबते रहते हैं और उनकी सड़कें धंसती रहती हैं, तो इसके पीछे कहीं न कहीं व्यवस्था के उस हिस्से की गंभीर गड़बड़ी नजर आती है, जिस पर उसे सुचारु रूप से चलाने की जिम्मेदारी है। बारिश के दिनों में हमारे छोटे–बड़े शहर और यहां तक कि दिल्ली, मुंबई, चेन्नई जैसे महानगर भी संकट से घिरते रहते हैं। इसके मूल में कहीं न कहीं तंत्र की कल्पनाहीनता ही ज्यादा जिम्मेदार है। यह कल्पनाहीनता ही है कि हमारा तंत्र हादसों और घटनाओं के बाद चेतता है। वह उन हादसों और घटनाओं का अनुमान लगाकर उन्हें रोकने के लिए जरूरी कदम नहीं उठा पाता। पुरानी पीढ़ी अपने अनुभवों के आधार पर कहती रही है कि आजादी के पहले की नौकरशाही ज्यादा कल्पनाशील थी। वह अपनी हर योजना भविष्य, भावी अनुमानों और उस पर आधारित परिणामों को ध्यान में रखकर बनाती थी। आइसीएस यानी इंपीरियल सिविल सर्विस ही आज की भारतीय नौकरशाही का मूल है। इस नौकरशाही ने अंग्रेजी ब्यूरोक्रेसी की ठसक तो अपना ली, लेकिन लगता नहीं कि उसने अपने पूर्ववर्ती तंत्र की कल्पनाशीलता को आत्मसात किया है। 1922 में ब्रिटेन के प्रध ानमंत्री डेविड लायड जार्ज ने तत्कालीन ब्रिटिश नौकरशाही को ब्रिटिश राज का स्टील फ्रेम बताया था। उस नौकरशाही ने जिन योजनाओं को बनाया, जो निर्माण किए, वे अर्से बाद तक उपयोगी बने रहे। देख लीजिए, दिल्ली के पुराने लोहे के पुल को..या फिर कोलकाता के हावड़ा ब्रिज को। इसकी तुलना में आज के तंत्र की कल्पनाशील योजनाओं को देखिए। उसकी बनाई योजना, उसके हिसाब से उठाए कदम कितनी जल्दी समस्याओं से घिर जाते हैं, यह किसी से छिपा नहीं। जब सामान्य जन को पता है कि जून के आखिर में मानसून आ जाता है, लिहाजा ड्रेनेज बहाने वाले नालों की सफाई हर हाल में मई तक हो जानी चाहिए, लेकिन यह जरूरी काम हमारे महानगरों और यहां तक कि देश की राजधानी में भी नहीं हो पाता। मेरठ एक्सप्रेसवे पर बस और कार की टक्कर महज हादसा नहीं थी। एक्सप्रेसवे पर बस गलत दिशा में आठ किमी तक चलती रही, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। देश भर की ट्रैफिक पुलिस को देखिए, वह सिर्फ दंडात्मक कार्रवाई में जुटी रहती है। इस ताक में रहती है कि कोई ट्रैफिक नियम तोड़े, ताकि वह उसे पकड़ कर कभी अपनी जेब तो कभी सरकारी खजाने को भर सके। जबकि होना यह चाहिए कि वह ट्रैफिक को सही तरह आगे बढ़ाती रहे। नगर निगमों के अफसरों की कार्यप्रणाली देखिए। सड़कें अतिक्रमण से संकरी होती रहें, गलत तरीके से निर्माण होता रहे, वे निरोधात्मक कार्रवाई नहीं करते। वे उगाही करते हैं या उदासीन बने रहते हैं। जब उन्हीं सड़कों पर कभी कोई हादसा हो जाता है या आग लग जाती है और अतिक्रमण के चलते फायर ब्रिगेड की गाड़ियां नहीं घुस पातीं तो तंत्र का समूचा हिस्सा नींद से जागता है। फिर कुछ कार्रवाई होती है, लेकिन थोड़ा समय बीतते ही, वही तंत्र अगले हादसे तक लंबी तानकर सो जाता है। मानव जनित घटनाओं से बचाव और प्राकृतिक हादसों से होने वाले नुकसान को कम से कम करना तभी संभव होगा, जब हमारा तंत्र कल्पनाशील बने और अपने दफ्तरी खांचे, नियम–कायदे और प्रक्रिया के घेरे से बाहर निकलेगा। तंत्र की सोच बदलने के लिए पूरे तंत्र की ओवरहालिंग करनी होगी। तंत्र में शामिल होने वालों के प्रशिक्षण की प्रक्रिया में जरूरी बदलाव करना होगा। तभी नौकरशाह कहीं ज्यादा कल्पनाशील होंगे और उन्हें जमीनी हकीकत और भावी समस्याओं का भान होगा। तभी वे बेहतर बदलाव लाने का औजार बन सकेंगे, अन्यथा वैसी घटनाएं और हादसे होते रहेंगे, जैसे हो रहे हैं।

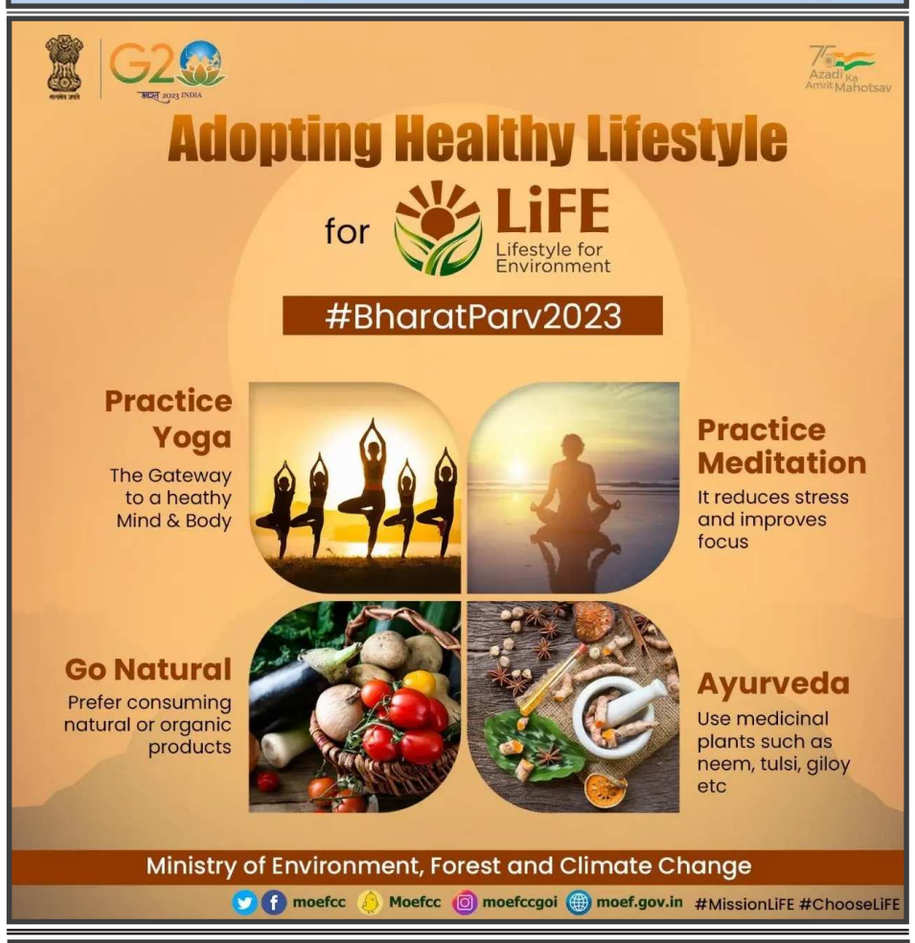

यह समाचार पत्र प्रकाशक, मुद्रक, मालिक व संपादक : श्री राजेंद्र सिंह यादव द्वारा, सिद्धांत ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, सुदंबरे, चाकन – तलेगांव रोड, पुणे – ४१२१०६ से प्रकाशित किया जाता है।
RNI NO.MAH HIN/2005/15277
www.siddhantsamachar.com / E-mail : siddhantsamacharpune@gmail.com / Phone : 9 8707 99 813
इस अखबार में छपी सभी खबरों के लिए संपादक सहमत है ऐसा नहीं। न्यायालयीन विवाद के लिए कार्यक्षेत्र पुणे रहेगा।

पीएम मोदी ने किया पुणे मेट्रो फेज–1 का उद्घाटन

पुणे – प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुणे मेट्रो फेज 1 के दो सेक्शन का उद्घाटन किया। पुणे मेट्रो के पहले चरण के दो सेक्शन पर ट्रेन का संचालन शुरू चुका है। पीएम मोदी ने हरी झंडी दिखाकर दोनों रूट से ट्रेन को रवाना किया। ये सेक्शन फुगेवाड़ी स्टेशन से सिविल कोर्ट स्टेशन और गरवारे कॉलेज स्टेशन से रूबी हॉल क्लिनिक स्टेशन तक हैं। वहीं, उन्होंने पुणे में शिवाजी नगर पुलिस मुख्यालय में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। नए सेक्शन पुणे शहर के महत्वपूर्ण स्थानों जैसे शिवाजी नगर, सिविल कोर्ट, पुणे नगर निगम कार्यालय, पुणे आरटीओ और पुणे रेलवे स्टेशन को जोड़ देंगे। पीएम मोदी ने 15,000 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। पीएम मोदी ने इस प्रोजेक्ट का शिलान्यास साल 2016 में किया था। उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी के साथ मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और राज्य मंत्री अजित पवार भी मौजूद थे। इस मेट्रो परियोजना से जुड़ी एक दिलचस्प बात यह है कि पुण के मेट्रो रूट में कुछ स्टेशनों को शिवाजी महाराज से प्रेरित होकर डिडाइन किया गया है। वहीं, अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन को छत्रपति शिवाजी महाराज के निर्मित किलों की तरह तैयार किया गया है। उद्घाटन समारोह के बाद पुणे में शिवाजी नगर पुलिस मुख्यालय में एक सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सरकार लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने की दिशा में काम कर रही है। पीएम मोदी ने आगे कहा,''यहां लगभग 15000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई है, हजारों परिवारों को उचित घर मिला है...हमारी सरकार शहर में मध्यम वर्ग और पेशेवरों के जीवन की गुणवत्ता के बारे में बहुत गंभीर है...जब जीवन की गुणवत्ता लोगों की स्थिति में सुधार होता है, शहर का विकास भी तेजी से होता है।'' पीएम मोदी ने आगे कहा, ''हमारी सरकार लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने की दिशा में काम कर रही है।'' मंगलवार को पीएम मोदी पुणे पहुंचे, जहां उन्हें लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साल 1983 में तिलक स्मारक मंदिर ट्रस्ट द्वारा यह पुरस्कार उन लोगों को दिया जाता है, जिन्होंने राष्ट्र की प्रगति और विकास के लिए काम किया है। यह पुरस्कार हर साल एक अगस्त को लोकमान्य तिलक की पुण्यतिथि पर दिया जाता है।

पुणे रेल मंडल पर प्रेमचंद जयंती का आयोजन

मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती इंदु दुबे के कुशल नेतृत्व में महान साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की जयंती पुणे रेल मंडल पर सोमवार दिनांक 31जुलाई को मनाई गई। अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री बृजेश कुमार सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलन कर मुंशी प्रेमचंद जी की प्रतिमा को माल्यार्पण कर पुष्पांजली अर्पित की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में श्री बृजेश कुमार सिंह ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद ने साहित्य साधना की है, जो हमारे लिए अनमोल धरोहर है एवं ऐसी विरासत है जिसके बिना हिंदी के विकास का अध्ययन अधूरा है। मंडल के हिंदी पुस्तकालय में मुंशी प्रेमचंद का संपूर्ण साहित्य रेलवे के अधिकारी, कर्मचारी पाठकों के लिए उपलब्ध किया गया है। इस अवसर पर मंडल कार्मिक अधिकारी श्री जितेन्द्र सिंह ने मुंशी प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके साहित्य में जीवन के मूल्यों के बारे में बताए गए विचारों को अपने दैनिक आचरण में लाने पर बल दिया। राजभाषा अधिकारी डॉ. शंकरसिंह परिहार ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद का जीवन एवं कार्य अत्यंत प्रेरणास्पद रहा है। प्रेमचंद का साहित्य यह हिंदी साहित्य का एक अभिन्न अंग है। साहित्यिक अध्ययन में प्रेमचंद का महत्व श्रेष्ठ है। जयंती के कार्यक्रम द्वारा उन्हें याद करने का यह एक अच्छा अवसर है जिससे हिंदी के प्रचार प्रसार को बल मिलेगा। कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर विकास पाराशर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी गण बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का सूत्र संचालन वरिष्ठ अनुवादक राजू तलेकर ने किया। आभार प्रदर्शन राजभाषा अधिकारी द्वारा किया गया।

पुणे रेल मंडल पर जुलाई में २० हजार से अधिक बिना टिकट लोगों को जुर्माना

पुणे – पुणे रेल मंडल पर जुलाई 2023 में टिकट जांच के दौरान 20 हजार 199 लोगों को बिना टिकट यात्रा करते पाया गया और उनसे 01 करोड़ 53 लाख 43 हजार रुपए जुर्माना वसूल किया गया। इसी के साथ 8435 लोगों को अनियमित रूप से यात्रा करने पर 48 लाख 88 हजार रुपए जुर्माना लगाया गया जबकि बिना बुक किए गए सामान को ले जाते हुए 150 लोगों से 15 हजार रुपए जुर्माना राशि वसूल की गई है। उक्त कार्रवाई मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती इन्दू दुबे के मार्गदर्शन में तथा अपर मंडल रेल प्रबंधक बृजेश कुमार सिंह एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ.मिलिंद हिरवे के समन्वय में तथा मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. रामदास भिसे के नेतृत्व में टिकट जांच निरीक्षकों तथा रेल सुरक्षा बल के सहयोग से की गई। रेल प्रशासन द्वारा इस प्रकार की टिकट जांच नियमित तौर पर चलाई जा रही है। यात्रियों से अनुरोध किया जाता है कि वे उचित टिकट लेकर ही यात्रा करें अन्यथा उन्हें रेल अधिनियम के तहत जुर्माना देना होगा तथा न भरने की स्थिति में जेल की सजा भी हो सकती है।

हिंजवडी पुलिस ने 18 मोटरशासाइकिल के साथ दो वाहन चोरों को किया गिरफ्तार

जी हा हम बता दे की पिंपरी–पिंपरी चिंचवड पुलिस आयुक्तालय अंतर्गत हिंजवडी पुलिस ने एक ऐसे चोर को सलाखों के पीछे पहुंचाने में कामयाब रही जो परभणी से हिंजवडी परिसर में मोटरसाइकिल चुराने आता था। मोटर सायकिल चुराकर उसे परभणी ले जाकर किसानों को बहोत सस्ते दाम पर बेच देते थे। वही हिंजवडी पुलिस ने इस मामले में अब तक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से लगभग 5 लाख 40 हजार कीमत की 18 मोटर साइकिल जब्त की गई हैं। ऐसी जानकारी आज पत्रकार परिषद में पोलिस उप आयुक्त डॉ. काकासाहेब डोळे ने दी। पुलिस के अनुसार चोर हिंजवडी परिसर में अपने रिश्तेदार के यहां ठहरते थे,फिर परिसर में जाकर वाहनों की तलाश रेकी करते थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रवि परमेश्वर धांडगे (उम्र 23, निवासी पथरगवां पठारी,जिला परभणी, विकास उद्धव धांडगे (पथरगवां पठारी, जिला परभणी) के रूप में हुई है। पुलिस उपायुक्त डॉ.काकासाहेब डोळे ने आज पत्रकार परिषद में आगे यह जानकारी दी। की अवसर पर सहायक पोलिस आयुक्त विशाल हिरे,हिंजवडी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरिक्षक डॉ.विवेक मुगलीकर,वाकड पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरिक्षक गणेश जवादवाड समेत जांच टीम उपस्थित थे। हिंजवडी पुलिस एक अन्य चोरी के मामले में जांच कर रही थी। इसी दौरान इस शातिर चोर का सुराग लगा। 350 सीसीटीवी फूटेज की मदद से चोरों की शिनाख्त हुई।उसमें से पुलिस ने रवि धांडगे को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी रवि समय–समय पर परभणी जिले से हिंजवडी के पांडवनगर इलाके में रहने आता था। हिंजवडी इलाके में रहकर वह बाइक चोरी कर गांव ले जाता था। वहां विकास चोरी की गाड़ियां उद्धव धांडगे को बेचता था। विकास गांव के किसानों को यह झांसा देकर बाइक बेचता था कि वह दो दिन में गाड़ी के कागजात लेकर आएगा। पुलिस ने विकास के पास से 15 दोपहिया वाहन और रवि के पास से तीन दोपहिया वाहन जब्त किए हैं, जिनकी कुल कीमत 5 लाख 40 हजार रुपये है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त विनयकुमार चौबे,सह पुलिस आयुक्त संजय शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ.वसंत परदेशी,पुलिस उपायुक्त डॉ.काकासाहेब डोळे, सहायक आयुक्त डॉ.विशाल हिरे, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विवेक मुगलीकर,पुलिस निरीक्षक सुनील दहीफले,सोनीबापू देशमुख के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक सागर काटे,राम गोमारे,पुलिस कांस्टेबल बंडू मार्ने,बापू घुमल,बालकृष्ण शिंदे,कैलास केंगले,कुणाल शिंदे,रितेश कोली,अरुण नारले,श्रीकांत चव्हाण,चंद्रकांत गाडे,नरेश बलसाणे,अमर राणे,करभारी पालवे,ओमप्रकाश कांबले,दत्तात्रय शिंदे,सागर पंडित की टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

संवाददाता : ओमप्रकाश पान्डेय

कुएं पर काम करते वक्त बड़ा हादसा चार मजदूर मलबे में दबे

पुणे – पुणे जिले की इंदापुर तहसील के म्हसोबावाडी गांव में बड़ा हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि एक कुएं के निर्माण के दौरान मिट्टी धंसने से चार मजदूर मलबे में फंस गए हैं। जहां बचाव अभियान के लिए एनडीआरएफ की टीम तैनात की गई है। जानकारी के मुताबिक, म्हसोबावाडी गांव में स्थित कुएं में रिंग लगाने का काम चल रहा था, तभी अचानक रिंग लगाये गए स्लैब का एक हिस्सा मिट्टी के ढेर के साथ कुएं में गिर गया। इससे इंदापुर तालुका के बेलवाडी गांव के चार मजदूर मलबे में दब गए। यह घटना मंगलवार देर शाम के वक्त की है। लेकिन हादसे की पता देर रात चला। बताया जा रहा है कि सोमनाथ लक्ष्मण गायकवाड, जावेद अकबर मुलानी, परशुराम बंसीलाल चव्हाण और मनोज मारुती चव्हाण कुएं में रिंग लगाने का काम कर रहे थे। अचानक उन पर मलबा गिर गया और वे कल से ही मलबे के नीचे फंसे हुए हैं। जब ये चारों लोग रोजाना की तरह शाम को अपने घर नहीं लौटे। तो लोगों ने उनकी तलाश शुरू की और अंत में जब कुएं के पास पहुंचे तो हादसे का पता चला। इसके बाद फौरन प्रशासन को इसकी सूचना दी गई। जेसीबी और पोकलेन मशीनों की मदद से मलबा हटाने का काम चल रहा है। एनडीआरएफ की टीम भी मौके पर मौजूद है और कुएं से मिट्टी निकालने का काम जारी है। वहीं, हादसे में शामिल लोगों के परिजन रो–रोकर बेहाल हैं। आरोप है कि कुएं का काम अवैध था। कुछ ग्रामीणों ने इंदापुर तहसीलदार को इसकी जानकारी भी दी थी। लेकिन कार्रवाई नहीं की गई। स्थानीय बीजेपी नेता ने इस घटना के दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

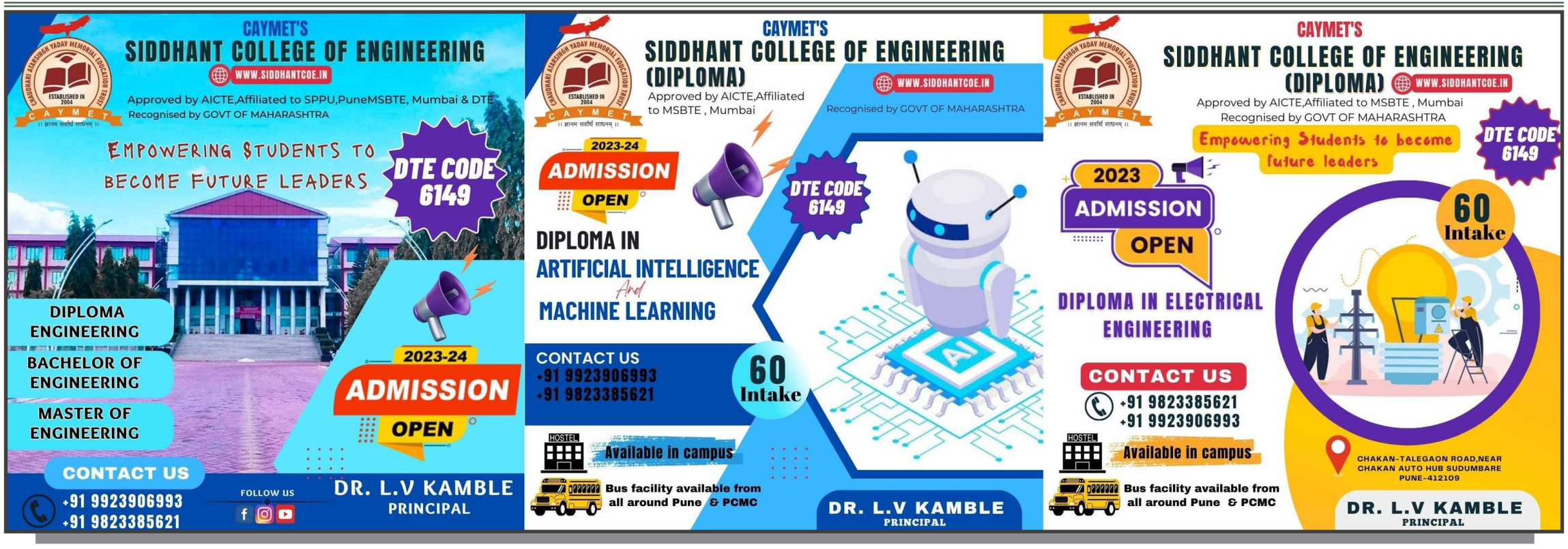

सोनी सब के शो वंशज में विवादास्पद ऑडियो–विजुअल स्वैप के बीच युविका अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए संघर्ष कर रही है

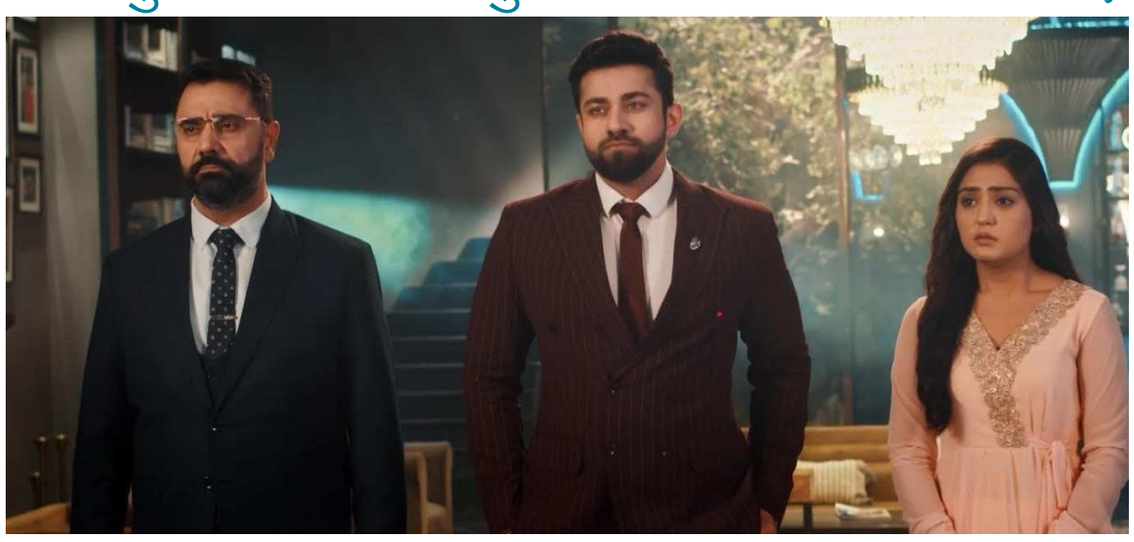

सोनी सब का हाल ही में लॉन्च हुआ पारिवारिक ड्रामा वंशज पारिवारिक राजनीति के तत्वों, और एक अमीर व्यावसायिक परिवार की पारस्परिक डायनेमिक्स को दर्शाता है। हाल ही में, शो के प्रमुख परिवार, महाजन को एक शानदार उत्सव में महाजन समूह के शानदार 75 वर्षों की सालगिरह का जश्न मनाते देखा गया, जिसमें परिवार के सदस्यों और विशेष मेहमानों ने भाग लिया। हालांकि, जश्न के बीच युविका (अंजलि तत्रारी द्वारा अभिनीत) को एक बड़े विवाद से जूझना पड़ा, जब उसके बनाए गए ऑडियो–विजुअल प्रजेंटेशन को किसी दूसरे प्रजेंटेशन से बदल दिया जाता है, जो परिवार की प्रतिष्ठा के लिए हानिकारक था। दुखी और हतप्रभ, युविका जवाब ढूंढती रहती है, उसे पता नहीं चलता कि प्रजेंटेशन के साथ किसने छेड़छाड़ की होगी। इस अस्थिर स्थिति का लाभ उठाते हुए, डीजे (माहिर पांधी) ने प्रजेंटेशन स्वैप के लिए जिम्मेदार अपराधी का पता लगाने की कसम खाते हुए, एक जांच बोर्ड की स्थापना करता है। जैसे–जैसे जांच टीम इस उलझाने वाले मामले की गहराई में उतरती जाती है, परिवार के भीतर रिश्ते टूटने लगते हैं, जिससे एक–दूसरे पर भरोसा करना मुश्किल हो जाता है। पूछताछ के बीच, युविका को भानुप्रताप (पुनीत इस्सर) और महाजन परिवार का विश्वास वापस हासिल करने के लिए अपनी बेगुनाही साबित करनी होगी। युविका का किरदार निभाने वाली अंजलि तत्रारी ने कहा, "वंशज में युविका का सफर भावनाओं और आश्चर्यों से भरा रहा है। पिछले हफ्ते के जश्न ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया, लेकिन अचानक प्रजेंटेशन बदलने से युविका का दिल टूट गया। मैं दर्शकों को भी इस सफर में जोड़ने के लिए उत्सुक हूं कि वे उस व्यक्ति को खोजने की कोशिश में हमारे साथ शामिल हों जिसने अंतिम समय में पेन–ड्राइव की अदला–बदली की थी। युविका इसके जिम्मेदार व्यक्ति को ढूंढने, न्याय पाने और अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।" डीजे का किरदार निभाने वाले माहिर पांधी ने कहा, "आगामी एपिसोड में, दर्शक देखेंगे कि डीजे विवाद की तह तक जाने के लिए जांच शुरू कर रहा है और परिवार की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने में युविका की भूमिका को उजागर करता है। वह अपने चालाकी भरे तरीकों से युविका के जीवन में नई चुनौतियां लाता रहेगा और कार्तिक के साथ उसके रिश्ते को उजागर करेगा। तैयार हो जाइए, क्योंकि अप्रत्याशित मोड़ आने वाले हैं, वास्तव में कुछ दिलचस्प इंतजार कर रहा है, इसलिए बने रहें!" वंशज देखें, हर सोमवार से शनिवार, रात 10 बजे सोनी सब पर

वेस्टइंडीज को २०० रन से हराकर भारत ने जीती सीरीज

भारत और वेस्टइंडीज के बीच त्रिनिदाद में सीरीज का आखिरी और तीसरा मैच खेला गया। भारत ने वेस्टइंडीज को 200 से मात देकर सीरीज 2–1 से अपने नाम की। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। भारत की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 134 रन की साझेदारी कर इस फैसले को गलता साबित किया। ईशान किशन ने 77 रन और शुभमन गिल ने 83 रन की पारी खेली। संजू सैमसन ने 51 रन का योगदान दिया। वहीं, सूर्यकुमार यादव ने 35 रन बनाए। आखिर में हार्दिक पांड्या ने नाबाद रहते हुए 70 रन की पारी खेली। चार बल्लेबाजों के अर्धशतक से भारतीय टीम ने निर्धारित ओवर में पांच विकेट पर 351 रन बनाए। इसके जवाब में वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही। पहले ही ओवर में ब्रैंडन किंग शून्य के स्कोर पर मुकेश कुमार के शिकार बने। दूसरा विकेट 7 के स्कोर पर गिरा। वेस्टइंडीज की टीम शुरुआती झटके से नहीं उबर पाई और लगातार विकेट खोती चली गई। सात बल्लेबाज दहाई के स्कोर तक भी नहीं पहुंच सके। भारत की तरफ से शार्दुल ठाकुर ने चार विकेट चटकाए। वहीं, मुकेश कुमार को तीन विकेट मिला। दो विकेट कुलदीप यादव के नाम रही, जबकि एक विकेट उनादकट के खाते में गई। पूरी वेस्टइंडीज की टीम 35.3 ओवर में 151 रन बनाकर सिमट गई।

मशहूर अभिनेत्री पूजा घई के बेटे राज रावल ने की फिल्म "द अनस्पोकन" से अपने फिल्मी सफर की जबर्दस्त शुरुआत

लोकप्रिय अभिनेत्री पूजा घई के बेटे राज रावल ने अपनी पहली फिल्म "द अनस्पोकन" में ही अपने असाधारण अभिनय कौशल से दर्शकों का दिल जीत लिया है। अपनी माँ के नक्शेकदम पर चलते हुए, राज ने एक उल्लेखनीय यात्रा शुरू की है। दुनिया भर के प्रसिद्ध इंस्टीट्यूट में अपनी कला को निखारा है और पर्दे के पीछे काम करके बेहद कीमती अनुभव भी हासिल किया है। बेहद प्रतिभाशाली नए अभिनेता राज रावल ने शॉर्ट फिल्म द अनस्पोकन के माध्यम से डिजिटल प्लेटफॉर्म में प्रवेश किया है। यह फिल्म दर्शकों को एक भावनात्मक सफर पर ले जाती है, और राज की अपने किरदार में जान फूंकने की क्षमता को भी दर्शाती है। यह फिल्म न सिर्फ उनकी अविश्वसनीय अभिनय क्षमता को उजागर करती है बल्कि काम के प्रति उनके समर्पण और उत्कृष्टता को भी दिखाती है। अभिनय के प्रति बेहद जुनून रखने वाले राज ने अमेरिका के प्रतिष्ठित ली स्ट्रैसबर्ग इंस्टीट्यूट में मेथड एक्टिंग की कला सीखी। मशहूर प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में, उन्होंने अपने कौशल को निखारा और एक्टिंग के क्राफ्ट की गहरी समझ हासिल की। अपनी क्षमताओं को और बढ़ाने के लिए उत्सुक, राज प्रतिष्ठित जेफ गोल्डबर्ग स्टूडियो में डिप्लोमा कोर्स पूरा करने के लिए भारत लौट आए। फिर उन्होंने गणेश आचार्य डांस एकेडमी में नृत्य सीखकर अपने कौशल का विस्तार किया। इसके अलावा, राज अपने शारीरिक फिटनेस पर खास ध्यान दे रहे हैं। अक्षय कुमार और कियारा आडवाणी अभिनीत फिल्म लक्ष्मी और सिद्धार्थ मल्होत्रा व रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म मिशन मजनूं में राज ने सहायक निर्देशक के रूप में भी काम किया। उन्होंने डीजे द्वारा निर्मित हम, तुम एंड देम नामक वेब सीरीज में प्रोडक्शन टीम के लिए भी काम किया है। इन अनुभवों से उन्हें कहानी कहने की बारीकियों को समझा। अपनी अद्भुत प्रतिभा, व्यापक प्रशिक्षण और गहरे सिनेमाई अनुभव के साथ, राज रावल दर्शकों के दिलों पर एक अमिट छाप छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

सोनी सब के पुष्पा इम्पॉसिबल में पटोला डिजाइन का अधिकार कौन जीतेगा?

सोनी सब का पुष्पा इम्पॉसिबल एक सिंगल मां पुष्पा (करुणा पांडे) के अभूतपूर्व जीवन, और अपने व अपने बच्चों के लिए सम्मानजनक जीवन पाने के उसके अटूट संकल्प को दर्शाता है। वह न केवल अपने बच्चों के लिए बल्कि उनके आस–पास के सभी लोगों के लिए साहस और दृढ़ता की प्रेरणादायक प्रतीक है। आने वाले एपिसोड्स में, विरेन (हेमंत खेर) पुष्पा को स्पष्ट रूप से बताता है कि उसने श्रीमती देसाई के पटोला के लिए जिस आकृति पर काम किया है, उसके सभी अधिकार अब उसके पास हैं। विरेन के दावे को पुष्पा को धक्का लगता है और उसे हताशा होती है। पुष्पा की बहू दीप्ति सहित परिवार के सभी सदस्य, अपने मतभेदों के बावजूद, यह साबित करने में पुष्पा की मदद करने के लिए एकजुट होते हैं कि यह आकृति उसकी ओरिजिनल है, ताकि वे इस पर विरेन के दावे को हरा सकें। क्या पुष्पा इस पटोला आकृति की प्रामाणिकता साबित करके

विरेन के दावे को चुनौती दे सकेगी? पुष्पा का किरदार निभाने वाली करुणा पांडे ने कहा, "ऐसा किरदार निभाकर बहुत अच्छा लगता है, जो जीवन में आने वाली हर मुश्किल को शुद्ध दृढ़ संकल्प के साथ जीतती है। इस किरदार के संकल्प और अपने परिवार के साथ उसके अटूट बंधन को देखना भी उतना ही प्रेरणादायक है। अब जबकि विरेन पुष्पा के जीवन में समस्याएं पैदा कर रहा है, तो पुष्पा उससे भी उतनी ही दृढ़ता से निपटती है, और इससे कई महिला दर्शकों को अपनी चुनौतियों से निपटने की प्रेरणा मिलती है।" और ट्विस्ट के लिए देखते रहें पुष्पा इम्पॉसिबल, सोमवार–शनिवार, रात 9:30 बजे केवल सोनी सब पर